IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

ओवर द टॉप वीडियों सेवाओं का उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों पर प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन

प्राची पाठक
शोध छात्रा
बी0एड0 / एम0एड0 विभाग,एम0जे0पी0 रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली,(उ०प्र०) भारत

प्रो0 सुधीर कुमार वर्मा
बी0एड0 / एम0एड0 विभाग, एम0जे0पी0 रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली,(उ०प्र०) भारत

सारांश

शिक्षा एक मौलिक मानव अधिकार है और व्यक्तियों और समाज के विकास में एक महत्वपूर्ण कारक है। यह व्यक्तियों को ज्ञान, कौशल और मूल्यों से सशक्त बनाता है जो उन्हें पूर्ण जीवन जीने और अपने समुदायों में सार्थक योगदान देने में सक्षम बनाता है। कोविड–19 महामारी ने शिक्षा के महत्व को अधिक रेखांकित किया है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच में डिजिटल विभाजन को उजागर किया है। प्रौधोगिकी के आगमान ने शिक्षा क्षेत्र में क्रान्ति ला दी है, जिससे सीखने और अधिगम के नए रूपों की जानकर मिली है। ई–लर्निग और ओवर–द–टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म पारंपरिक शिक्षा परिदृश्य को बदलने के लिए शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरे हैं। इन प्लेटफार्मो में न केवल सीखने को अधिक सुलभ और लचीला बना दिया है बल्कि छात्रों के लिए कक्षा की सीमाओं से परे ज्ञान का पता लगाने के नए रास्ते भी खोले हैं। ओटीटी प्लेटफार्मो की पहुँच और सामर्थ्य ने शिक्षा क्षेत्र में उनकी बढ़ती लोकप्रियता में योगदान दिया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म को स्मार्टफोन, टैबलेट और स्मार्ट टीवी सहित विभिन्न उपकरणों पर एक्सेस किया जा सकता है। जिससे सीखना कभी भी और कहीं भी संभव हो जाता है। इसके अलावा कई ओटीटी प्लेटफॉर्म सीखने में वित्तीय बाधाओं को दूर करते हुये मुफ्त या कम कीमत पर शैक्षिक सामग्री प्रदान करते हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म से अध्ययन के फलस्वरूप किशोरों की आदतें प्रभावित हो रही हैं।

कुंजी – ओवर द टॉप वीडियों सेवाए, उच्च माध्यमिक स्तर , अध्ययन आदते

प्रस्तावना :

शिक्षा के लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य में, प्रौद्योगिकी के एकीकरण ने एक आदर्श बदलाव की शुरूआत की है, जिससे सीखने और सिखाने के पारंपरिक तरीकों में बदलाब आया है। ऐसा ही एक क्रान्तिकारी विकास ओवर–द–टॉप (ओटीटी) वीडियो सेवाओं का उद्भव है, जिसने हमारे ज्ञान के उपभोग और प्रसार के तरीके को फिर से परिभाषित किया है। इण्टरनेट के माध्यम से सुलभ इन प्लेटफार्मो ने शैक्षिक संसाधनों, मनोरंजन और सूचनात्मक सामग्री की एक विशाल श्रंखला तक पहुँच को लोकतांत्रिक बना दिया है, जो भौगोलिक सीमाओं को पार कर दुनिया भर के दर्शकों तक पहुँच रहा है। कोविड–19 महामारी ने पारंपरिक शैक्षिक प्रणालियों को बाधित कर दिया जिसमें संस्थानों और शिक्षार्थियों को शिक्षा

के विधिवत तरीकों को तेजी से अपनाने के लिए अग्रसर होना पड़ा। जो सीखने की प्रक्रिया में निरंतरता को समक्ष करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि शिक्षा सुलभ और निर्बाध बनी रहे। ये प्लेटफार्म निस्देह शैक्षणिक संसाधनों की प्रचुरता और आकर्षक सामग्री की प्रचुरता प्रदान करते हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म के उद्भव का शिक्षा के क्षेत्र पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। शुरूआत में मनोंरजन सामग्री पर ध्यान केन्द्रित करने के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म ने तेजी से शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखा है, जो शैक्षिक वीडियो वृत्तचित्र और पाठयक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश कर रहे हैं। शिक्षा के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म का एक प्रमुख लाभ उच्च गुणवत्ता, आकर्षक और विविध समाग्री प्रदान करने की उनकी क्षमता है। आकर्षक शैक्षिक वीडियो और पाठयक्रम बनाने के लिए विशेषज्ञों, शिक्षकों और संसाधनों के साथ सहयोग करते हैं। उदाहरण के लिए नेटफिलक्स ने शैक्षिक वृत्तचित्र और श्रंखला का निर्माण करने के लिए स्मिथसोनियन इंस्टीटयूशन और अमेरिकन फिल्म इंस्टीटयूट जैसे प्रसिद्ध संस्थानों के साथ साझेदारी की है। इसी तरह यू–ट्यूब ने शैक्षिक सामग्री के लिए एक समर्पित मंच यूट्यूब लर्निग लॉन्च किया है, जिसमें शीर्ष शिक्षकों, संस्थानों और शिक्षण चैनलों के वीडियों शामिल हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म से शिक्षण के सन्दर्भ में अध्ययन की आदतें विशेषरूप से प्रभावित हुई हैं क्योंकि इसमें पारंपरिक शिक्षण प्रथाओं की जगह नये स्वरूप में शिक्षण अधिगम के साथ सीखने के अवसर पेश करने की क्षमता है। ओवर दी वीडियो सेवाओं द्वारा प्रबंधन, नियमित उपस्थिति सक्रिय भागीदारी और निर्देशित शिक्षा, शैक्षणिक सफलता और ज्ञान के दीर्घकालिक संरक्षण के लिए आवश्यक है। अध्ययन की आदतों पर ओटीटी प्लेटफॉर्म वीडियों सेवाओं के प्रभाव की जांच करके, इस अध्ययन का उद्देश्य ओटीटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से सीखने में संभावित लाभों तथा जोखिम की पहचान करना है।

सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण :

- **शर्मा, मधु (2019)** ने उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को शैक्षक उपलब्ध एवं अध्ययन आदतों पर मल्टीमीडिया और सोशल नेटवर्क के प्रदर्शन के प्रभाव का अध्ययन किया। निष्कर्षतः पाया कि मल्टीमीडिया का उपयोग करने वाले विद्यार्थियों को शैक्षिक उपलब्धि एवं अध्ययन आदत, औसत स्तर की है तथा उनका रूझान सोशल नेटवर्क भी तरफ ज्यादा है।
- **सुंदरावेल ई तथा इलांगोवन एन0 (2020)** ने भारत में ओटीटी सेवाओं का उदगम तथा इसका भविष्य पर एक विश्लेषणात्मक अनुसंधान विषय पर अपने शोध में निष्कर्ष निकाला कि ओटीटी प्लेटफार्म पूर्व में विलासिता समझे जाते थे परन्तु अब यह एक आवश्कता बन गए हैं। भारत में इनके उपभोक्ता निरंतर बढ़ते जा रहे है तथा विद्यार्थि भी इनको अधिक से अधिक अपना रहे हैं।
- **हेमनाज, दुर्गावती (2020)** ने अपने लेख ओटीटी के माध्यम से शिक्षा का लोकतंत्रीकरण में यह प्रस्ततु किया कि शिक्षा का क्षेत्र बहुत तेजी से ओटीटी, वीडियों, सामग्री के प्रयोग का और अग्रसर है जो कि शिक्षा जगत में एक नई क्रान्ति को जन्म दे रहा है और छात्रों की अध्ययन आदतो को परिवर्तित कर रहा है।
- **कुमारी शिल्पी (2022)** ने अपने शोध पत्र किशोर छात्रों की अध्ययन आदत और शैक्षिणिक उपलब्धि पर ई–लर्निग का प्रभाव में यह निष्कर्ष उचित निकाला कि किशोर छात्रों की अध्ययन आदतें उन पर ई–लर्निंग का प्रभाव काफी उच्च सकारात्मक स्तर का है। अतः ई–लर्निंग के सकारात्मक प्रभाव में विद्यार्थियों के लिए अध्ययन सामग्री सूचना एवं ज्ञान में वृद्धि है।
- **रफीक मुहम्मद, खान तपना डॉ0 मुहम्मद, आसिम अंदलीव तथ आरिफ डॉ0 मुहम्मद (2022)** ने अपने शोध पढ़ने की आदतों पर सोशल मीडिया का प्रभाव में निष्कर्ष निकाला कि सकारात्मक प्रभाव के रूप में सोशाल मीडिया के उपयोग से छात्रों में समाजीकरण बढ़ता है तथा छात्र अपने अध्ययन हेतु जो भी खोजते हैं आसानी से प्राप्त कर लेते हैं। तथा किसी भी विषय वस्तु को आसानी से खोज लेते हैं।
- **मोनिरू (2023)** ने अपने शोध ''पढ़ने की आदत'' पर सोशल मीडिया, सूचना और संचार प्रौद्योगिक (आईसीटी) की प्रभाव एक व्यवस्थित समीक्षा अध्ययन में पाया कि छात्र प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपने ज्ञान को बढ़ाने में सक्षम हैं। इसके माध्यम से आज अपने ज्ञान को संरक्षित भी रख सकते हैं तथा बढ़ा भी सकती है।
- **मुंढे एकनाथ** ने अपने शोध कार्य डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रभाव पर अध्ययन : 'ओवर– दी– टॉप' में पाया कि अधिकांश युवा ओटीटी से अत्यधिक प्रभावित हुए हैं तथा वह इससे बहुत कुछ सीख भी रहे हैं। इन्होंने अन्त में निष्कर्ष निकाला कि ओटीटी समाज के लिए सकारात्मक है तथा इससे समाज ने स्वीकार भी किया है तथा इससे समाज को प्रभावित भी किया है।
- **सुजीत, टी0 एस0 तथा डॉ0 सुमित (2021)** ने अपने शोध पत्र भारत में ओटीटी प्लेटफॉर्म : मुद्दे तथा चुनौतियाँ – एक आनुभाविक अध्ययन में निष्कर्ष निकाला कि भारत में ओटीटी प्लेटफॉर्म के दर्शकों की संख्या ने वृद्धि होने की

पृष्ठभूमि में अनेक कारण है, जैसे सुगमता, प्रयोग में आसानी कम इंटरनेट मूल्य, स्मार्ट फोन का सस्ता होना इत्यादी। आज के अधिकतर युवा ओटीटी प्लेटफॉर्म के दर्शक हैं।

- **मिश्रा, आशय (2022)** ने अपने लेख में स्पष्ट किया है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म की सहायता से शिक्षा मौलिकता पर निर्भर नहीं करती है। छात्र पिछली सामग्री पर जा सकता है, व्याख्यान को रोक सकता है तथा आसान नोटस बना समता है। यह निम्न और मध्यम वर्ग की पृष्ठभूमि के छात्रों को सशक्त बनाता है। इससे शिक्षा का सरलीकरण खुल गया है तथा प्रत्येक छात्र प्रत्येक शिक्षक के संपर्क में हो सकता है।
- **शर्मा, गोपेश कुमार तथा गुप्ता, डॉ0 सविता (2022)** ने अपने शोध पत्र कक्षा 12 के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अध्ययन आदतों एवं समायोजन पर पारिवारिक वातावरण में समाज का अध्ययन में निष्कर्ष निकाला कि अध्ययन आदत प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का एक अभिन्न अंग है। आदत मानव के व्यवहार को प्रभावित करती है। अध्ययन आदतें ही छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के निर्धारण में सहायक होती है।
- **सत्यनारायण, डॉ0 सी0, काले, डॉ0 सोनाली तथा ठाकुर श्री प्रो0 मकरंद बाला जी (2023)** ने अपने शोध कार्य ओटीटी प्लेटफॉर्म : भारत में पक्ष विपक्ष और चुनौतियों में पाया कि अधिकांश छात्र इस बात से सहमत है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म का भविष्य उज्जवल है और अधिकांश छात्र इसके माध्यम से अपने भविष्य को भी उज्जवल बना सकते हैं।

निष्कर्ष :

ओटीटी प्लेटफॉर्म तथा ई–लर्निंग के उद्भव ने शिक्षा के परिदृश्य को बदल दिया है जिससे लचीली, सुलभ और व्यक्तिगत शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध हुए है। इन प्लेटफॉर्म में शिक्षा को लोकतांन्त्रिक बनाने, सीखने के अनुभवों की गुणवत्त बढ़ाने और शिक्षार्थियों को 21 वीं सदी की मांगों के लिए तैयार करने की क्षमता है हालांकि ओटीटी प्लेटफॉर्म का वृद्धि डिटिटल विभाजन और गुणवत्ता आश्वासन की आवश्यकता जैसी चुनौतियों भी प्रस्तुत करती हैं। जैसे–जैसे शिक्षा क्षेत्र का विकास जारी है इन चुनौतियों का समाधान करना और अधिक समावेशों, न्यायसंगत और प्रभावी शिक्षा प्रणाली बनाने के लिए ई–लर्निंग और ओटीटी प्लेटफॉर्म की पूरी क्षमता का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। किशोर छात्रों के बीच ओटीटी प्लेटफॉर्म सेवाओं की बढ़ती लोकप्रियता ने उनकी अध्ययन आदतों को अत्यधिक प्रभावित किया है और उनके विकास में विभिन्न पहलुओं पर संशोधित प्रभाव के बारे में भी चिंताएं बढ़ा दी हैं। विभिन्न शोध साहित्य के अध्ययन के फलस्वरूप यह प्रतीत होता है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म तथा ई–लर्निंग का किशोरों पर सकारात्मक तथा नकारात्मक दोनों ही प्रकार का प्रभाव पड़ता है। सकारात्मक भाव के रूप में ओटीटी प्लेटफॉर्म शिक्षा के एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरे हैं। जिन्होंने छात्रों के लिए कक्षा की सीमाओं से पूरे ज्ञान का पता लगाने के लिए रास्ते खोले हैं। दूसरी तरफ इससे शैक्षणिक असमानताएं हो वह सकती है क्योंकि सभी शिक्षार्थियों के पास ओटीटी प्लेटफॉर्म का प्रयोग करने के लिए आवश्यकत उपकरण : कनेक्टीविटी और डिजीटल साक्षरता का अभाव है। अतः ओटीटी प्लेटफॉर्म का प्रयोग सोच–समझकर किया जाना चाहिए।

सन्दर्भ

- सुंदरावेल, ई0 तथा इलांगावना एन0 (2020), भारत में ओटीटी वीडियो सेवाओं का आविर्भाव और भविष्य : एक विश्लेषणात्मक शोध। इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ विजनेस, मैनेजमेण्ट एण्ड सोशल रिसर्च, 08(02) 489–499। https://doi.org/10.18801 /ijbmsH . 08022050
- शर्मा, मधु (2017), उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं अध्ययन आदतों पर मल्टीमीडिया और सोशल नेटवर्क के प्रदर्शन के प्रभाव का अध्ययन। https://shodhganga.inflibat.ac.in
- कुमार, शिल्पी (2022), किशोर छात्रों की अध्ययन आदत और शैक्षणिक उपलब्धि पर ई–लर्निंग का प्रभाव। मानविकी, इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रबनधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 3(01) 137–148। https : // journal .rkdfuniversity .org / index. phy/ ijhesm /aticle /view/110
- रफीक. मो0 खान तुफैल डॉ0 मो0, आसिफ अंदलील तथा आरिफ, डॉ0 मो0 (2020), पढ़ने की आदतों पर सोशल मीडिया का प्रभाव। पाकिस्तान जर्नल ऑफ इनफॉर्मेशन, मैनेजमेंट एवं लाइब्रेरीज, 21(01)ए 46–65। https:www.researchgate. net/ publication / 338658981

- मोनिरूज्जामां (2023), पढ़ने की आदत पर सोशल मीडिया, सूचना और संचार प्रोद्योगिकी (आईसीटी) का प्रभाव : एक व्यवस्थित समीक्षा अध्ययन। जर्नल ऑफ नॉलेज लर्निंग एंड साइंस टैक्नोलॉजी, 2(02) 22–30। https://doi.org/1060087
- मुंढे, एकनाथ (2021) डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रभाव पर अध्ययन : ओवर दी टॉप (ओटीटी)। https://doi.org/10.37896/sr7.10/038,7(10)] 342-348/ https: www. researchgate.net/publication/351066074
- सुजीथ, टी0एस0 और सुमति एम0 डॉ0 (2021,) भारत में उच्च ओटीटी प्लेटफॉर्म : मुद्दे और चुनौतियां। मल्टी डिसीप्लेनरी इण्टरनेशनल लेवल रेफर्ड एण्ड पियर रिव्यूड जर्नल, 11 (11), 77–78। https://www.researchgate.net/publication/354598563
- मिश्रा, आशय (2022), ओटीटी प्लेटफॉर्म शिक्षा में कैसे मदद करते है। https://www.bigeducation.digest.com
- शर्मा, गोपेश कुमार तथा गुप्ता, डॉ0 सविता (2022) कक्षा 12 के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, अध्ययन आदतों एवं समायोजन पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन। जर्नल ऑफ इमरजिंग टैक्नीशियन एण्ड इनोवेटिव रिसर्ज, 09(08), b425-b433
- सत्यनारायण, डॉ0 सी0, काले डॉ0 सोनाली तथा ठाकुर प्रो0 मकरंद बालाजी (2023), ओटीटी प्लेटफॉर्म : भारत में पक्ष, विपक्ष और चुनौतियाँ। जर्नल ऑफ फिशरीज साइसेज, 10(45)2367–2878।